निवेश के लिए सबका पसंदीदा प्रदेश बन गया यूपी

लखनऊ | विशेष संवाददाता

4.28 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर 2018 में साइन हुए

168 एकड़ के 230 भूखंड उद्यमियों को आवंटित किए हैं

योगी सरकार के चार साल में यूपी निवेश के लिए देश विदेश के उद्यमियों के लिए बेहतरीन निवेश स्थल बन कर उभर रहा है। चार साल में यहां उद्योग लगने व रोजगार मिलने का अभूतपूर्व काम हुआ है। ईज आफ डूइंग बिजनेस में दूसरी रैंकिंग इस बात का प्रमाण है कि सीएम योगी आदित्यनाथ के इस प्रदेश में उद्योग लगाना बहुत आसान हो गया है।

चार साल में यूपी में अब तक 211 निवेश परियोजनाओं के जरिए 127000 लोगों को रोजगार मिल गया है। इसके अलावा 122 प्रोजेक्ट पर तेजी से अमल चल रहा है और इसमें भी 2,05000 लोगों को रोजगार मिलेगा। असल में यूपी में पहली बार इन्वेस्टर्स समिट 2018 के जरिए 4.28 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर साइन हुए थे।

उद्यमियों व निवेशकों की सहूलियत के लिए ढेरों काम : योगी सरकार के आने से पहले राज्य में औद्योगिकीकरण की रफ्तार खासी धीमी थी। जरूरी पारदर्शिता का भी अभाव दिखता था लेकिन उसके बाद माहौल बदलता चला गया। चाहे औद्योगिक प्लाटों का पारदर्शिता के साथ आवंटन हो या आकर्षक नीतियां बना कर निवेशकों को यूपी में लाकर निवेश कराने का मामला हो। सब में तेजी से काम हुआ। इसी साल फरवरी में हुए एयरो-इंडिया शो में यूपी डिफेंस कारीडोर में निवेश के लिए 13 कंपनियों की ओर से 4500 करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले हैं। इसमें रक्षा आयुध विनिर्माण और बैलिस्टिक सामग्री के निर्माण के लिए एसएमपीपी प्राइवेट लिमिटेड का 2400 करोड़ रुपये का प्रस्ताव प्रमुख है। कोविड काल में 57 हजार करोड़ रुपये की परियोजनायें यूएस, जापान, यूके व कनाडा समेत दस देशों से आई हैं। इन पर काम शुरू हो गया है। कोविड 19 के बाद जुलाई 2019 में 8500 करोड़ रुपये के निवेश वाली सात परियोजनाओं में वाणिज्यिक उत्पादन चालू हो गया जबकि 6400 करोड़ के निवेश की 19 परियोजनाओं सक्रिय कार्यान्वयन के अधीन हैं। 2, 20 031 लोगों को रोजगार के लिए निवेश परियोजनाओं को भूखंड आवंटित कर 250 से अधिक निवेश परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। यूपीसीडा ने 168 एकड़ के 230 भूखंड उद्यमियों को आवंटित किए हैं। इनके जरिए 1332 करोड़ का निवेश होगा और 18135 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी तरह नोएडा में 94 एकड़ के कुल 185 भूखंड दिए गए हैं। यहां 1396 करोड़ का निवेश होगा व 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। यीडा में 174730, ग्रेटर नोएडा में 9000, गीडा में 3136 व सीडा में 30 लोगों को रोजगार मिलेगा। यमुना एक्स. क्षेत्र के सेक्टर 28 में बल्क ड्रग तथा मेडिकल डिवाइस मैन्यूफैक्चरिंग पार्क, यमुना एक्स. के किनारे एमएसएमई , टाय , इलेक्ट्रानिक्स व परिधान पार्क विकसित होंगे। फिल्म सिटी भी प्रस्तावित है।

अगले माह शुरू हो जाएगा सैमसंग डिस्प्ले यूनिट का काम

नोएडा में सैमसंग डिस्प्ले यूनिट ने अपना काम शुरू कर दिया है और अप्रैल तक उनका उत्पादन शुरू हो जाएगा। इसमें 4800 करोड़ रुपये का निवेश होने जा रहा है। टाय सिटी के लिए निवेशकों को भूखंड दिए गए हैं। एक्सप्रेस-वे के किनारे सरकार ने 22 हजार एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। औद्योगिक हब बनाने के लिए यह जमीन निवेशकों को दी जाएगी।

यह होना अभी बाकी है

- नोएडा एयरपोर्ट से छह किमी दूर 1000 एकड़ पर प्रस्तावित फिल्म सिटी परियोजना को आगे बढ़ाना
- यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के सेक्टर 28 में 350 एकड़ भूमि पर समर्पित मेडिकल डिवाइस पार्क का निर्माण
- लाजिस्टिक, डाटा सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नए क्षेत्रों में निवेश
- पूर्वांचल व बुंदेलखंड में उद्योगों का और विस्तार
- जेवर एयरपोर्ट पास इलेक्ट्रानिक्स व फाइनेंसियल सिटी विकसित करना